Shiv Aarti in Hindi PDF

ॐ जय शिव ओमकारा,
स्वामी जय शिव ओमकारा,
ब्रह्मा, विष्णु, सदाशिव,
अर्धांगी धारा.

एकानन चतुरानन पंचानन राजे,
हंसानां गरुड़ासन वृषभान सजे।
ॐ जय शिव ओमकारा...

दो भुज चार चतुर्भुज दस भुज ते सोहे,
स्वामी दास भुज ते सोहे,
तिनों रूप निराखते त्रिभुवन जन मोहे।
ॐ जय शिव ओमकारा...

अक्षमाला वनमाला मुंडमाला धारी,
चंदन मृगमद सोहे, भले शशि धारी।
ॐ जय शिव ओमकारा...

श्वेतांबर पीतांबर बाघंबर अंगे,
सनकादिक ब्रह्मादिक भूतादि क संगे।
ॐ जय शिव ओमकारा...

कर पुरुष श्रेष्ठ कमंडलु चक्र त्रिशूल,
जग कर्ता जग हर्ता जग पालन करता।
ॐ जय शिव ओमकारा...

ब्रह्म विष्णु सदाशिव जानत अविवेक,
प्रणवाक्षर में शिव गुण गावेका।
ॐ जय शिव ओमकारा...

जय शिव ओंकारा, स्वामी जय शिव ओंकारा,
ब्रह्मा विष्णु सदाशिव, अर्धांगी धारा।
ॐ जय शिव ओमकारा...

धूप दीप फल मेवा मान सिन्दूर लेपित,
ॐ हर शिव शंकर अपनी कृपा करो प्रभु देत।
ॐ जय शिव ओमकारा...

शिव आरती जो कोई नर दे,
कहत शिवानंद स्वामी मन वंचित फल पावे।
ॐ जय शिव ओमकारा...

SHRI SHIV CHALISA

ॐ जय शिव ओमकारा,
स्वामी जय शिव ओमकारा,
ब्रह्मा, विष्णु, सदाशिव,
अर्धांगी धारा |

You can Download Shiv Aarti in other Languages from here shrishivchalisa.com

SHRI SHIV CHALISA